भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
**Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

## प्रेस विज्ञप्ति

## आईआईटी भुवनेश्वर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह
## "भ्रष्टाचार मिटाने में प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका"

**भुवनेश्वर, 29 अक्टूबर 2024:** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर, 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने में राष्ट्र के साथ शामिल हुआ है। केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के दिशानिर्देशों के अनुसार, सप्ताह भर चलने वाला कार्यक्रम इस वर्ष की थीम "राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति" के साथ आयोजित किया जा रहा है।

इसी क्रम में, इस अनुष्ठान के एक भाग के रूप में, 29 अक्टूबर 2024 को, आईआईटी भुवनेश्वर ने इस विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया। श्री यशवन्त कुमार जेठवा, आईपीएस, निदेशक, सतर्कता, सरकार। ओडिशा के, ने सेमिनार की शोभा बढ़ाई और संस्थान के छात्रों और सदस्यों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने अपने व्यापक अनुभव के उदाहरणों के माध्यम से भ्रष्टाचार की रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने भ्रष्टाचार से निपटने में निवारक सतर्कता और दंडात्मक सतर्कता का उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने और विभिन्न संगठनों में काम करने वाले अधिकारियों द्वारा भ्रष्ट आचरण का पता लगाने में प्रौद्योगिकी की बड़ी भूमिका है। उन्होंने संस्थान के सदस्यों से राष्ट्र की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने और अखंडता का पालन करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने कहा कि 'सतर्कता' का अर्थ है 'निरंतर एकाग्रता' और इसे प्राप्त करने के लिए प्रयासों की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार की जड़ें मनुष्य के "अंदर" और "बाहर" दोनों में निहित हैं। लालच एक "अंदर" की स्थिति है जबकि "बाहर की स्थितियों" में समाज में असमानताएं, जटिल नियम और पारदर्शिता की कमी शामिल है। भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए, हमें लालच को "वैराग्य" या वैराग्य से बदलना चाहिए, और समाज में समानता, सरल नियम और शासन में पारदर्शिता लानी चाहिए। उन्होंने कहा, आईआईटी भुवनेश्वर में, हम गतिशील रूप से बदलती दुनिया को ध्यान में रखते हुए नियमों को सरल बनाने और पारदर्शिता लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

प्रारंभ में, प्रो. ए.के. आईआईटी भुवनेश्वर के मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रधान ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया और परिचय दिया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार श्री बामदेव आचार्य ने भी अपने विचार रखे और देश की प्रगति में बाधा डालने में भ्रष्टाचार की भूमिका का उल्लेख किया। इस अवसर पर संकाय के वरिष्ठ सदस्य और संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इससे पहले, सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पहले दिन, संस्थान के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर द्वारा आईआईटी भुवनेश्वर के सदस्यों को सत्यनिष्ठा शपथ दिलाई गई।

---